University in News on 09 June 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

अंतरराष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों के शिक्षक करेंगे लविवि से शोध

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शोध और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम शुरू किया है। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों के शिक्षक विश्वविद्यालय में शोध कार्य कर सकेंगे। इसके लिए लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर वर्ष के अंत तक आवेदन किए जा सकते हैं।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि यह पहल दुनिया भर के विभिन्न विषयों और संस्थानों के प्रतिष्ठित विद्वानों का स्वागत करती है। इससे वह अपनी प्रतिभा और विशेषज्ञता को लविवि के साथ साझा कर यहां के शैक्षणिक माहौल को अधिक बेहतर बनाने में योगदान देंगे। रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम में शिक्षक तीन माह के लिए लविवि परिसर में शोध कार्य करेंगे। उनके आवास, भोजन आदि की व्यवस्था विवि प्रशासन करेगा।

शिक्षक सेमिनार, कार्यशालाओं व शैक्षिक गतिविधियों में हिस्सा लेते हुए यहां के विद्यार्थियों को अपना मार्गदर्शन देंगे। यह विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करेगा।

विवि में रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम की हुई शुरुआत

रैंकिंग सुधारने में मिलेगी मदद

- लविवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय की रैंकिंग एवं ग्रेडिंग को बेहतर करने में मदद करेगा। इसके साथ ही यहां छात्रों को भी नए अनुसंधानों, नवाचारों को जानने के लिए प्रेरणा मिलेगी। इससे वह अपने शैक्षिक जीवन को शोधपरक बना पाएंगे।

NBT PAGE 5

किस्सागोई के जरिए बयां किए देश के हालात

एलयू के लोक प्रशासन विभाग के सभागार में हुए 'परछाई' समारोह में जुटे किस्सागो

■ एनबीटी, लखनऊः देश के सिस्टम को भ्रष्टाचार किस तरह खोखला कर रहा है, इसे दिल्ली से आए किस्सागो सुभाष चंद्र ने एलयू के लोक प्रशासन विभाग के सभागार में बेहद संजीदगी से समझाया। मौका था राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान यूपी, हिन्दुस्तानी अकैडमी प्रयागराज एवं डेल्फिक असोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के किस्सागोई 'परछाई' समारोह का। इसमें दूरदर्शन के कार्यक्रम प्रमुख आत्मप्रकाश मिश्र बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे।

लखनऊ की किस्सागो डॉ. रश्मिशील ने नोटबंदी का जनमानस पर पड़े प्रभाव और दुश्वारियों को अपने अंदाज में बयां किया। सुधा शुक्ला ने फैमिली कोर्ट में तलाक के बढ़ते मामलों पर किस्सों के माध्यम से अपना अध्ययन पेश किया। सुशील श्रीवास्तव ने मैडम क्यूरी की कहानी सुनाई। डॉ. रिंकल शर्मा ने हास्य कहानी सुनाकर सभी को लोटपोट किया।

इस दौरान संस्थान अध्यक्ष डॉ. अखिलेश मिश्रा, सासाराम से कात्यायनी सिंह, गाजियाबाद की डॉ. तूलिका सेठ, मुंबई की डॉ. सिम्मी वर्मा, लखनऊ से सुधा शुक्ला, दिल्ली से रिंकल शर्मा और लखनऊ से आचार्य अनीता मिश्रा ने अपने-अपने किस्से से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। संस्थान महामंत्री डॉ. सीमा गुप्ता ने राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान (यूपी) की उपलब्धियां गिनाईं।

परछाई समारोह में संजीदा मुद्दों के साथ हास्य कहानियां भी सुनाई गईं।

'ध्यानात्मक आसन से लाएं जीवन में परिवर्तन'

■ एनबीटी सं., लखनऊः आदर्श जीवन शैली के लिए विचार और व्यवहार में परिवर्तन कर प्रतिदिन योग के ध्यानात्मक आसन करने चाहिए। जिसमें ध्यान मुद्रा, ज्ञान मुद्रा, भैरवी मुद्रा, प्रत्याहार, धारणा प्रमुख है। ये बातें शनिवार को एलयू में फैक्ल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन द्वारा आयोजित 'योग के माध्यम से स्वास्थ्य प्रबंधन' विषयक सेमिनार में मुख्य वक्ता योगाचार्य केके शुक्ला ने कही। इस दौरान विभाग के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव, डॉ. रामकिशोर, डॉ.रामनरेश समेत अन्य लोग मौजूद थे।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू में अब विदेशी कर सकेंगे रिसर्च

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम शुरू करने का ऐलान किया है। इसके जरिए विदेशी शिक्षकों, वैज्ञानिकों और इंडस्ट्री से जुड़े विशेषज्ञों को एलयू में पढ़ाने और शोध करने का मौका मिलेगा। वह तीन महीने तक विवि में रहकर अपने शोध को पूरा कर सकेंगे। इसमें उन्हें विवि के शिक्षक, शोधार्थी और छात्र-मदद करेंगे। आवेदन के लिए पीएचडी या समकक्ष शोध अनुभव अनिवार्य है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि रिसर्चर इन रेजिडेंस कार्यक्रम के लिए पूरे वर्ष आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

i-NEXT PAGE 5

एलयू में रिसर्च करेंगे इंटरनेशनल स्कॉलर

i GOOD NEWS

एलयू ने किया रिसर्चर इन रेजिडेंस कार्यक्रम का शुभारंभ

LUCKNOW (8 JUNE): अब अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित फैकल्टी, वैज्ञानिक एवं उद्योग विशेषज्ञ लखनऊ विश्वविद्यालय में आकर शोध कर सकेंगे. साथ ही विद्यार्थियों को पढ़ाकर उन्हें शोध आदि में भी मदद करेंगे. इसके लिए एलयू ने रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम की शुरुआत की है.

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और शैक्षणिक समुदाय की बौद्धिक जीवंतता को बढ़ाने के लिए यह कार्यक्रम डिजाइन किया गया है. इसमें दुनिया भर के विभिन्न विषयों और संस्थानों के प्रतिष्ठित विद्वान अत्याधुनिक शोध में शामिल होकर अपनी विशेषज्ञता साझा करेंगे. इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अंतरराष्ट्रीय संकाय, वैज्ञानिकों और उद्योग विशेषज्ञों के लिए पीएचडी या समकक्ष शोध अनुभव होना जरूरी है.

"रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम हमारे अंतरराष्ट्रीय शोध नेटवर्क को बढ़ाने और छात्रों को अंतरराष्ट्रीय संकाय के संपर्क में लाने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है. यह हमारे अकादमिक मूल्य को मजबूत करने के साथ-साथ रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेगा.

प्रो. आलोक कुमार राय, वीसी, लखनऊ यूनिवर्सिटी

तीन महीने की मिलेगी सुविधा

चयनित संकाय, वैज्ञानिकों को रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी के नाम आवेदन करना होगा. साथ में अपनी सीवी और एनओसी भी भेजनी होगी. इसके लिए आवेदन पूरे वर्ष स्वीकार किए जाएंगे. प्रस्तावित निवास अवधि से न्यूनतम तीन महीने और अधिकतम छह महीने दी जाएगी. चयनित लोगों को एलयू रहने, खाने के साथ कांटिनजेंसी फंड भी देगा. वह यहां आकर शोध करेंगे साथ ही यहां कक्षाएं भी लेंगे.

THE PIONEER PAGE 2

New research initiative by LU

Lucknow (PNS): The University of Lucknow announced on Saturday the launch of its innovative Researcher-in-Residence programme, designed to foster international collaboration and enhance the intellectual vibrancy of its academic community.

The initiative invites distinguished scholars from various disciplines and institutions worldwide to engage in cutting-edge research, share their expertise, and contribute to the academic environment at the University of Lucknow.

"This initiative underscores the university's commitment to academic excellence and its role as a hub for intellectual exchange. The programme is designed to enhance the university's vibrancy, expand our international research network, and expose our students to international faculty. This will strengthen our academic value and improve our rankings in terms of internationalisation and academic repute," Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai said.

"The programme offers a unique opportunity for international faculty, scientists, and industry experts with a PhD or equivalent research experience to immerse themselves in the academic life of the University of Lucknow for a minimum duration of three months. This initiative aims to create a collaborative environment where visiting researchers can work closely with local faculty and students, participate in seminars and workshops, and contribute to the university's research goals," LU spokesperson Durgesh Srivastava said.

Applicants must possess a PhD or equivalent research experience and should be affiliated with recognised universities, colleges, institutions, or industries outside India.

A well-defined research proposal, outlining the objectives, methodology, and expected outcomes of the proposed project, is required. Additionally, applicants must commit to teaching and mentoring at the University of Lucknow during their stay.

Visiting researchers will have access to state-of-the-art laboratories, libraries, and other essential research facilities. The university will provide accommodation and a contingent grant to the visiting researchers. Researchers are expected to produce tangible research outputs, engage actively with the academic community, and participate in seminars and workshops. Applications will be accepted year-round and should be submitted at least six months prior to the proposed residency period.

JAGRAN CITY PAGE III

अंतरराष्ट्रीय विद्वान करेंगे शोध, कक्षाएं भी लेंगे

लखनऊ विश्वविद्यालय ने डिजाइन किया कार्यक्रम रिसर्चर इन रेजिडेंस का शुभारंभ

जासं • लखनऊ : अब अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित फैकल्टी, वैज्ञानिक एवं उद्योग विशेषज्ञ लखनऊ विश्वविद्यालय में आकर शोध कर सकेंगे। साथ ही विद्यार्थियों को पढ़ाकर उन्हें शोध आदि में भी मदद करेंगे। इसके लिए लवि ने रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम की शुरुआत की है।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और शैक्षणिक समुदाय की बौद्धिक जीवंतता को बढ़ाने के लिए यह कार्यक्रम डिजाइन किया गया है। इसमें दुनिया भर के विभिन्न विषयों और संस्थानों के प्रतिष्ठित विद्वान अत्याधुनिक शोध में शामिल होकर अपनी विशेषज्ञता साझा करेंगे। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अंतरराष्ट्रीय संकाय, वैज्ञानिकों और उद्योग विशेषज्ञों के लिए पीएचडी या समकक्ष शोध अनुभव होना जरूरी है। उन्हें भारत के बाहर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों, कालेजों, संस्थानों या उद्योगों से संबद्ध होना जरूरी है। इसके लिए प्रस्तावित परियोजना के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली और अपेक्षित परिणामों को रेखांकित करते हुए एक सुपरिभाषित शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा।

कम से कम तीन महीने की मिलेगी सुविधा : चयनित संकाय, वैज्ञानिकों को रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कुलपति के नाम आवेदन करना होगा। साथ में अपनी सीवी और एनओसी भी भेजनी होगी। आवेदन पूरे वर्ष स्वीकार किए जाएंगे। प्रस्तावित निवास अवधि से न्यूनतम तीन महीने और अधिकतम छह महीने दी जाएगी। चयनित लोगों को लवि रहने, खाने के साथ कांटिनजेंसी फंड भी देगा। वह यहां आकर शोध करेंगे। साथ ही कक्षाएं भी लेंगे। मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि, शोध उत्कृष्टता का सिद्ध रिकार्ड और लवि की शोध प्राथमिकताओं के साथ सरेखित प्रस्तावों वाले आवेदकों को वरीयता दी जाएगी।

"रिसर्चर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम हमारे अंतरराष्ट्रीय शोध नेटवर्क को बढाने और छात्रों को अंतरराष्ट्रीय संकाय के संपर्क में लाने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह हमारे अकादमिक मूल्य को मजबूत करने के साथ-साथ रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन करने में भी मदद करेगा।

- प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लवि

27 केंद्रों पर उत्तर प्रदेश बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा आज

लखनऊ विश्वविद्यालय ने पूरी की तैयारी, 12 हजार से अधिक परीक्षार्थी हो रहे परीक्षा में शामिल

जासं • लखनऊ: उत्तर प्रदेश बी.एड संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन रविवार को दो पालियों में होगा। इस बार परीक्षा कराने की जिम्मेदारी बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी को मिली है।

लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध पांच जिलों में 27 केंद्र बनाए गए हैं। इनमें लखनऊ में 15, हरदोई तीन, सीतापुर दो, रायबरेली तीन और लखीमपुर खीरी में चार केंद्र हैं। पांच जिलों में 12,857 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

लवि के नोडल अधिकारी डा. आरबी सिंह ने बताया कि पहली पाली की परीक्षा सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक होगी। इसमें सामान्य ज्ञान एवं भाषा (अंग्रेजी/हिंदी) की परीक्षा होगी। दूसरी पाली में दोपहर दो से शाम पांच बजे तक अभिरुचि परीक्षण एवं विषय योग्यता (कला, विज्ञान, वाणिज्य, कृषि) की परीक्षा होगी। केंद्र पर अभ्यर्थियों की रियल टाइम बायोमीटिक उपस्थिति लगेगी।

नहीं ले जा सकेंगे मोबाइल: केंद्र पर कोई भी अभ्यर्थी मोबाइल या अन्य इलेक्ट्रानिक गैजेट नहीं ले जा सकेंगे। अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने के एक घंटा पहले प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश परीक्षा में निगेटिव मार्किंग की व्यवस्था होगी।

प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। प्रत्येक सही उत्तर के लिए दो अंक मिलेंगे। प्रत्येक गलत उत्तर पर कुल दो अंक का 1/3 भाग काट लिया जाएगा।

बीएड से अभ्यर्थियों का हो रहा है मोहभंग

प्रदेश में बीएड को लेकर अभ्यर्थियों का मोहभंग हो रहा है। एक वर्ष में ही अभ्यर्थियों की संख्या घटकर आधी हो गई है। आने वाले समय में इनकी संख्या और भी कम होने की आशंका जताई जा रही है। पिछले वर्ष बीएड सत्र 2023-25 की प्रवेश परीक्षा भी बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी ने कराया था। उस समय पूरे प्रदेश में 1108 केंद्रों पर करीब चार लाख 51 हजार अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इस बीएड सत्र 2024-26 की प्रवेश परीक्षा में सिर्फ 497 केंद्रों पर हो रही है। कुल 51 शहरों में करीब दो लाख 21 हजार अभ्यर्थी इस प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होंगे। इस बार अभ्यर्थियों ने जिन शहरों में प्रवेश परीक्षा देने का विकल्प चुना था। छात्रों की संख्या कम देखते हुए कई शहरों में परीक्षा केंद्र भी बदले गए हैं। इससे बहुत से परीक्षार्थी परीक्षा भी छोड़ सकते हैं। परिषदीय स्कूलों में बीएड प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया रुकने के बाद से प्रवेश परीक्षा में अभ्यर्थियों की संख्या कम हो रही है। इससे बीएड कालेजों के सामने अपनी सीट को भरने की चुनौती रहेगी।